दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, शनिवार 18 जनवरी 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 111

पुणे-नासिक हाईवे पर मिनी वैन खड़ी बस से टकराई, 9 लोगों की मौत

पुणे । आरएनएस

पुणे-नासिक हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक तेज रफ्तार मिनी वैन सडक़ के किनारे खड़ी एक बस से टकरा गई। इस हादसे में कम से कम नौ लोगों की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा सुबह करीब 10 बजे पुणे-नासिक हाईवे पर नारायणगांव के पास हुआ। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, मिनी वैन नारायणगांव की तरफ जा रही थी, तभी पीछे से एक टेंपो ने उसे टक्कर मार दी, जिससे वैन का रास्ता बदल गया और वह बस से जा टकराई। इस हादसे में वैन में सवार नौ लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि वैन आगे से पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि हादसे में मिनी वैन में सवार सभी नौ यात्रियों की मौत हो गई है। हादसे की फिलहाल जांच की जा रही है। इस मामले में अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई है।

बता दें कि बीते गुरुवार को मुंबई दहिसर टोल नाके पर एक कार डंपर से टकरा गई थी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। वहीं, एक यात्री को सुरक्षित बचाया गया था। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार में आग लग गई थी और वह जलकर राख हो गई थी। डंपर के अगले हिस्से में भी आग लग गई थी। हादसे का वीडियो भी सामने आया था।

घटनास्थल पर लोगों में इस हादसे को लेकर चीख पुकार मच गई थी। कार में आग इतनी तेजी से लगी थी कि किसी को इस हादसे में बचाव करने का मौका तक नहीं मिला था। रोड से गुजर रहे लोगों ने पुलिस को इस मामले की सूचना दी थी।

वहीं, इससे पहले महाराष्ट्र में मुंबई-नासिक महामार्ग पर एक भीषण हादसा हुआ था। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई थी और 15 घायल हो गए थे। यह हादसा ठाणे जिले शाहपुर में हुआ था।

तिरुपति बालाजी के दर्शन करने जा रहे तीर्थयात्रियों की बस पलटी, चार की मौत; 25 से अधिक घायल

चित्तूर । आरएनएस

त्रिची से 40 तीर्थयात्रियों को लेकर तिरुपति जा रही एक निजी ट्रैवल्स बस चित्तूर जिले के गंगासागरम के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गई, जिसमें 4 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य घायल हो गए।

तीर्थयात्री मंदिर में पूजा करने के बाद तिरुपति से लौट रहे थे। दुर्घटना देर रात करीब 2 बजे हुई, जब बस ने सडक़ के किनारे खड़ी डंपर लॉरी को ओवरटेक करने की कोशिश की, लेकिन उससे टकरा गई और पलट गई। हादसे के वक्त ज्यादातर बस सवार गहरी नींद में थे। कुछ देर तक समझ में नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है। चीख-पुकार मच गई। इसके बाद कुछ लोगों ने किसी तरह इमरजेंसी डोर से निकलकर साथी सवारों की मदद की। वहां से गुजर रहे कुछ लोग भी मदद को आगे आए।

सूचना मिलते ही पुलिस और बचाव दल की टीम मौके पर पहुंची और आनन-फानन में सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों को चित्तूर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। वहीं गंभीर रूप से घायल छह लोगों को तिरुपति के एसवीआईएमएस अस्पताल में रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है।

इस घटना में मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस की ओर से जांच की जा रही है। हादसे के बाद क्षेत्र में दो घंटे तक यातायात बाधित रहा। जिलाधिकारी सुमित कुमार ने तत्परता से मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य शुरू कराया। साथ ही पुलिस ने यह जानकारी दी कि दुर्घटना में कुछ लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

इससे पहले आंध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के पालमानेर में बेंगलुरु-तिरुपति राजमार्ग पर एक भीषण सडक़ हादसा हुआ था। यह हादसा मोगिली घाट के पास हुआ था, जहां दो लॉरी एक बस से टकरा गई थीं। इस हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई और 30 अन्य घायल हो गए थे।

पंजाब के होशियारपुर में कार और ट्रक की टक्कर, परिवार के तीन लोगों की मौत

होशियारपुर (आरएनएस)। पंजाब के होशियारपुर जिले में एक दर्दनाक सडक़ हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, ऑल्टो कार में सवार परिवार के तीन लोग विवाह समारोह से लौट रहे थे। रास्ते में उनकी कार की एक ट्रक से टक्कर हो गई। जानकारी के मुताबिक यह हादसा नूरपुर जट्टा गांव के पास नहर के नजदीक हुआ। घटना में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। जानकारी मिलते ही स्थानीय पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से हताहतों को गाड़ी से बाहर निकाला।

मृतकों की पहचान गुरनाम सिंह (45), उनकी पत्नी वरिंदर कौर (42) और सात वर्षीय बेटी सीरत कौर के रूप में हुई है। वे कोट फतुही के मैरिज पैलेस से अपने गांव माहनेवाल, बलाचौर लौट रहे थे। रास्ते में यह भयानक हादसा हो गया। ट्रक चालक हादसे के बाद मौके से फरार है। फिलहाल पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। मौके पर पहुंचे चौंकी सैला खुर्द के इंचार्ज वासुदेव ने बताया कि पुलिस ने सभी हताहतों को क्षतिग्रस्त गाड़ी से बाहर निकाला। इसके बाद सभी मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। घटना की जांच के बाद ही कुछ कहा जा सकता है। प्रथम दृष्टया यह दुर्घटना ही लग रही है। इस हादसे के बाद इलाके में शोक की लहर फैल गई है और पूरे परिवार की इस अचानक हुई मौत से गांव में मातम का माहौल है।

अंतर्राष्ट्रीय

युद्ध विराम समझौते के बाद भी इजरायली हमले जारी, गाजा में 86 फिलिस्तीनियों की मौत

गाजा । इजरायल-हमास युद्ध विराम समझौते की बुधवार को घोषणा के बाद भी गाजा में इजरायली हमले जारी हैं। फिलिस्तीनी सिविल डिफेंस के मुताबिक हमलों में 23 बच्चों समेत 86 फिलिस्तीनियों की मौत हो गई है। सिविल डिफेंस ने एक प्रेस बयान में कहा कि कुल मौतों में से 73 उत्तर गाजा, चार मध्य गाजा और नौ दक्षिण गाजा में मौत दर्ज की गईबयान के अनुसार मृतकों में 23 बच्चे और 27 महिलाएं शामिल हैं, जबकि 258 से अधिक अन्य लोग घायल हुए हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना ने कहा कि पिछले कुछ घंटों में उसकी वायु सेना ने गाजा में लगभग 50 साइट्स को निशाना बनाया। प्रेस बयान में कहा गया कि हमलों का टारगेट हमास और इस्लामिक जिहाद के सदस्य, सैन्य भवन, हथियार स्टोरेज सुविधाएं, रॉकेट लॉन्चिंग साइट, हथियार प्रोडक्शन साइट और निगरानी चौकियां थीं। इजरायली सेना ने हमास पर अपनी गतिविधियों के लिए नागरिक संस्थाओं और आबादी का क्रूरतापूर्वक शोषण करके अंतरराष्ट्रीय कानून का व्यवस्थित रूप से उल्लंघन करने' का आरोप लगाया। साथ ही कहा कि वह ऐसे संगठनों के खिलाफ निर्णायक रूप से कार्रवाई करना जारी रखेगा।

लॉस एंजिल्स के जंगल में आग लगने से 27 लोगों की मौत

लॉस एंजिल्स । अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया के लॉस एंजिल्स क्षेत्र में लगी भीषण आग में एक सप्ताह से अधिक समय में कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और 12,300 से अधिक संरचनाएं नष्ट हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, लॉस एंजिल्स में दो बड़ी जंगल की आग पर काबू पाने के लिए अग्निशमन दल ने गुरुवार को भी काम जारी रखा, क्योंकि क्षेत्र में हवाएं धीमी पड़ गई है। पालिसैड्स फायर लॉस एंजिल्स क्षेत्र में सबसे बड़ी सक्रिय जंगल की आग में से एक है, जिसने अब तक 23,713 एकड़ (95.96 वर्ग किमी) को चपेट में लिया है। 7 जनवरी को लगी आग पर 22 प्रतिशत काबू पा लिया गया है, जो एक दिन पहले 17 प्रतिशत था।

दक्षिण सूडान : हिंसक झड़प में एक सैनिक समेत 16 लोगों की मौत

जुबा । नागेरो काउंटी में दक्षिण सूडान पीपुल्स डिफेंस फोर्सेज (एसएसपीडीएफ) और सूडान पीपुल्स लिबरेशन आर्मी-इन-ओपपोजिशन (एसपीएलए-आईओ) के बीच झड़पों में एक सैनिक सहित 16 लोगों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, नागेरो काउंटी के कमिश्नर हेनरी बंगाडा असाया ने कहा कि हिंसा के कारण 79,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। बंगाडा ने गुरुवार को सिन्हुआ को फोन पर बताया, बुधवार शाम को भी लड़ाई जारी थी। मैंने देखा कि भारी सैन्य हथियार उस जगह जा रहे थे, जहां लड़ाई शुरू हुई थी।

ओडिशा के सीमेंट फैक्ट्री हादसे में 64 श्रमिकों को बचाया गया, 3 की तलाश जारी

भुवनेश्वर । आरएनएस

ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले के राजगांगपुर में संचालित एक सीमेंट फैक्ट्री में गुरुवार रात कोयला हॉपर (लोहे का ढांचा) गिरने के बाद मलबे में फंसे श्रमिकों में से 64 को बचा लिया गया है। हालांकि, 3 मजदूरों का अभी पता नहीं चल सका है।

फंसे हुए तीनों श्रमिकों की पहचान कर ली गई है और बचाव टीम तेजी से मलबे को हटाकर उनके निकालने के प्रयास में जुटी हुई है।

मौके पर पुलिस और शीर्ष अधिकारी डेरा जमाए हुए हैं।

पुलिस ने बताया कि रात को डालमिया सीमेंट फैक्ट्री में काम चल रहा था। उसी दौरान बॉयलर में ले जाने से पहले कोयले को संग्रहीत करने के लिए बनाया गया कोयला हॉपर टूट गया। इससे 67 श्रमिक कई टन मलबे में दब गए।

पुलिस ने बताया कि सूचना पर तत्काल बचाव कार्य शुरू किया गया और 64 श्रमिकों को बाहर निकाल लिया गया। सुशांत राउत, दशरथ पात्रा और रंजीत भोल नामक 3 श्रमिक अभी भी मलबे में फंसे हैं।

राजगांगपुर के तहसीलदार जगबंधु मल्लिक ने कहा, बचाव अभियान जारी है और हम फंसे हुए 3 श्रमिकों को बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं।

पश्चिमी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक बृजेश राय ने कहा कि 6 अग्निशमन कर्मी और ओडिशा आपदा त्वरित कार्रवाई बल की टीमें बचाव अभियान में लगी हुई हैं।

उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद कंपनी के दरवाजे बंद कर दिए गए थे, जिससे श्रमिकों और परिवार के सदस्यों में अशांति फैल गई।

एक्सपायर्ड सैलाइन मामला

12 डॉक्टरों को सरकार ने किया सस्पेंड, विरोध में आंशिक कार्य बहिष्कार

कोलकाता । आरएनएस

पश्चिम बंगाल के पश्चिमी मिदनापुर जिले में सरकारी अस्पताल में 12 डॉक्टरों के निलंबन के विरोध में शुक्रवार को जूनियर और वरिष्ठ डॉक्टरों ने आंशिक रूप से काम बंद कर दिया। अस्पताल में कथित तौर पर एक्सपायर हो चुके रिंगर लैक्टेट दिए जाने से एक महिला और एक नवजात की मौत के बाद 12 डॉक्टरों को निलंबित कर दिया गया था। महिला मामोनी रुइदास की मौत 10 जनवरी को हुई थी। वहीं नवजात की मौत गुरुवार सुबह हुई।

पूरा राज्य प्रशासन ब्लैक लिस्टेड इकाई पश्चिम बंगा फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आपूर्ति की गई एक्सपायर हो चुकी रिंगर लैक्टेट के कारण मौतों के आरोपों पर गुस्से में था। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को इकाई को एक तरह से क्लीन चिट दे दी और 12 डॉक्टरों को निलंबित करने की घोषणा की, जिससे पूरी त्रासदी की जिम्मेदारी उन पर आ गई। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने कहा कि जब तक 12 डॉक्टरों, छह जूनियर और छह सीनियर के निलंबन के फैसले को रद्द नहीं किया जाता, तब तक आंशिक रूप से काम बंद रहेगा। हालांकि, प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने पश्चिम मिदनापुर के अस्पताल में आपातकालीन और बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) को चालू रखा है।

निलंबित किए गए 12 डॉक्टरों में अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक-सह-उप-प्रधान और रेजिडेंट चिकित्सा अधिकारी शामिल हैं। गुरुवार को 12 डॉक्टरों को निलंबित करने और पश्चिम बंगा फार्मास्यूटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड को क्लीन चिट देने के फैसले की घोषणा करते हुए मुख्यमंत्री ने तर्क किया कि रिंगर लैक्टेट के इस्तेमाल की बजाय उक्त अस्पताल के डॉक्टरों की लापरवाही इसके लिए अधिक जिम्मेदार है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मीडियाकर्मियों से कहा, अगर ऐसा होता तो राज्य के अन्य अस्पतालों से भी ऐसी ही खबरें आतीं, जहां इसी का इस्तेमाल किया गया था। यहां मामला अलग था। यह सरासर लापरवाही का मामला था। याद रखें, लापरवाही भी एक तरह का अपराध है।

समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं : रक्षा मंत्री

नई दिल्ली । आरएनएस

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि समय के साथ-साथ हमारी सेनाओं की जटिलताएं बढ़ती जा रही हैं। ऐसा इसलिए हो रहा है, क्योंकि दुनिया भर में रक्षा-सुरक्षा का माहौल लगातार तनावपूर्ण होता जा रहा हैढ़ढ लगभग आधा दशक बीत जाने के बाद, हम यह कह सकते हैं कि यह एक प्रकार से परिवर्तनशील दशक रहा है। दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों में कई संघर्ष और युद्ध देखने को मिल रहे हैं।

रक्षा मंत्री ने यहां नौसेना नागरिक वर्ष समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि हमें अपनी महत्वपूर्ण क्षमता को बढ़ाना होगा और आने वाले समय में अपने आक्रामक और रक्षात्मक दोनों ही प्रतिक्रियाओं को मजबूत करने की ओर ध्यान देना होगा। मुझे लगता है कि इन सबमें योजना का बहुत महत्व है और इस नियोजन प्रक्रिया में एक परामर्शात्मक दृष्टिकोण भी होना चाहिए, जिसमें हम सभी हितधारकों से सलाह-मशविरा करें। मैं समझता हूं कि इस नियोजन प्रक्रिया में हमारी नौसेना नागरिकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

उन्होंने कहा कि अधिकांश लोग भारत के विशाल क्षेत्रफल के कारण भारत को एक उपमहाद्वीप के रूप में जानते हैं। भारत की आर्थिक समृद्धि इस देश की समुद्री सुरक्षा से जुड़ी हुई है। इसके लिए जरूरी है कि हमारे समुद्री क्षेत्र की सुरक्षा की जाए, नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित की जाए और हमारे समुद्री मार्गों को - जो हमारे समुद्री हाईवे हैं- सुरक्षित रखा जाए। हाल के वर्षों में अमेरिकी और अन्य यूरोपीय नौसेना ने हिंद प्रशांत क्षेत्र में अपनी उपस्थिति घटाई है जबकि भारतीय नौसेना ने उपस्थिति बढ़ाई है। इसके बावजूद अदन की खाड़ी, लाल सागर और ईस्ट अफ्रीकी देशों से सटे समुद्री इलाकों में खतरे बढऩे का अंदेशा बना हुआ है। इसको देखते हुए भारतीय नौसेना अपनी उपस्थिति को और अधिक बढ़ाने की दिशा में काम कर रही है। समुद्री सुरक्षा के लिए अब साइबर सिक्योरिटी भी बड़ा ही महत्वपूर्ण अंग बन चुका है। जिस तेजी से साइबर हमलों में वृद्धि हो रही है, उसे देखते हुए उनकी अनदेखी करना घातक सिद्ध हो सकता है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि सेनाओं में साइबर सिक्योरिटी को लेकर एक विशेष जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। नौसेना के अनेक महत्वपूर्ण ऑर्गनाइजेशन और कमांड हेडक्वार्टर्स, डॉक यार्ड, डिपो, ट्रेनिंग आदि में हमारे सिविलियन ही हैं, जो नेवी के मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर की नींव रखते हैं। हमें समुद्र में अत्याधुनिक जहाज और बोट दिखती हैं, एयरक्राफ्ट कैरियर दिखते हैं, ये सारी चीजें हमें सामने दिख जाती हैं। लेकिन, जो हम नहीं देख पाते, वो है हमारे अनगिनत इंजीनियर्स और वर्कर्स की मेहनत। ये लोग हमेशा पर्दे के पीछे रहकर काम करते हैं, लेकिन यही लोग हैं, जिन्होंने हमारे सशस्त्र बलों को हमेशा ताकत प्रदान की है। हमारी सेनाएं आज आगे बढ़ रही हैं, इसमें हमारे सिविलियन साथी, हमारी सेनाओं को योगदान देते हैं। आप चाहे वर्दी में हों या वर्दी के बिना, इसमें कोई बहुत बड़ा अंतर नहीं है, क्योंकि इस प्रकार के मूल्य सबके अंदर होने जरूरी हैं।

उन्होंने कहा कि जब मैं नेवल सिविलियन्स की जिम्मेदारियों की बात कर रहा हूं, तो मैं यहां पर अपनी और सरकार की जिम्मेदारियां, कतई नहीं भूल रहा हूं। हमारी सरकार का हमेशा यह प्रयास रहता है कि हम राष्ट्र की सेवा करने वाले प्रत्येक व्यक्ति के योगदान को पहचान दें। मैं नौसेना के सभी सिविलियन्स को उनकी सेवा, समर्पण और प्रतिबद्धता के लिए धन्यवाद देता हूं।

कोटा में नीट छात्र ने फंदे से झूलकर की आत्महत्या, इस साल तीसरा मामला

जयपुर । आरएनएस

राजस्थान की कोचिंग नगरी कोटा में छात्रों के आत्महत्या करने के मामले थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। अब विज्ञाननगर थाना इलाके में संयुक्त प्रवेश पात्रता परीक्षा (नीट) की तैयारी कर रहे एक 18 वर्षीय छात्र ने अपने कमरे में फंदे से झूलकर जान दे दी।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और परिजनों को सूचना दी। पुलिस अब आत्महत्या के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने बताया कि ओडिशा निवासी छात्र विज्ञाननगर इलाके में किराए पर रहकर नीट की तैयारी कर रहा था। गुरुवार शाम को कमरे में जाने के बाद वह खाने के लिए बाहर नहीं आया।

मकान मालिक के दरवाजा खटखटाने पर भी उसने नहीं खोला। इस पर जब खिडक़ी खोलकर देखी तो वह फंदे से झूलता मिला।

पुलिस ने बताया कि युवक के शव को फंदे से उतारकर अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया और उसके परिजनों को भी सूचना दे दी।

कोटा में छात्रों के आत्महत्या करने का यह इस साल तीसरा मामला है। इससे पहले 9 जनवरी को मध्य प्रदेश निवासी अभिषेक लोधा ने विज्ञाननगर थाना क्षेत्र में आत्महत्या कर ली थी।

इसी तरह, 8 जनवरी को जवाहर नगर थाना क्षेत्र में हरियाणा निवासी छात्र नीरज ने भी हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर जान दी थी।

अभिषेक के कमरे से बरामद सुसाइड नोट में उसने परीक्षा में सफल न होने के कारण आत्महत्या करने की बात लिखी थी।

पूर्व सीएम फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार दुर्घटनाग्रस्त, नीलगाय सामने आने से हादसा; वाहन क्षतिग्रस्त

दौसा (आरएनएस)। राजस्थान के दौसा में जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला के काफिले की कार शुक्रवार दोपहर 1:45 बजे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, हादसे के समय एक नीलगाय अचानक काफिले की कार के सामने आ गई, जिसके कारण एस्कॉर्ट कर रही दिल्ली पुलिस की कार क्षतिग्रस्त हो गई। टक्कर की मार से कार के सामने दोनों एयरबैग खुल गए। फारूक अब्दुल्ला को किसी भी प्रकार की चोट नहीं आई है। वहीं, वे अजमेर दरगाह जियारत करने के लिए रवाना हुए थे। घटना के समय उपस्थित दिल्ली पुलिस के हेड कॉन्स्टेबल पप्पूराम मीणा ने बताया, दौसा सदर थाना के भांडारेज इंचरचेंज के पास अचानक पेड़ों में से नीलगाय छलांग लगाकर निकल गई। हमारी कार में चार लोग सवार थे, और हम अजमेर की दिशा में अग्रसर थे। दुर्घटना के पश्चात कुछ समय तक फारूक अब्दुल्ला ने वहीं रुके और करीब 2 बजे अजमेर के लिए यात्रा जारी की।

महाकुंभ के लिए पश्चिम मध्य रेल चला रहा है 8 जोड़ी विशेष गाड़ियां

भोपाल । आरएनएस

प्रयागराज में महाकुंभ चल रहा है और इसमें देश-दुनिया के अलग-अलग हिस्सों से लाखों भक्त पहुंच रहे हैं। इन श्रद्धालुओं को सुविधा मुहैया कराने के लिए रेल प्रशासन अनेक यात्री गाडिय़ां चला रहा है। पश्चिम मध्य रेल में भी आठ जोड़ी विशेष रेल गाडिय़ां चलाई जा रही हैं जो 334 फेरे करेंगी।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से शुक्रवार को दी गई जानकारी में बताया गया है कि पश्चिम मध्य रेल से ओरिजिनेट होने वाली 'कुल आठ जोड़ी' विशेष रेलगाडिय़ों के संचालन से 'कुल मिलाकर 334 फेरों' की सेवाएं महाकुंभ मेले के लिए दी जा रही हैं।

बताया गया है कि गाड़ी संख्या 01661 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 20 फरवरी तक प्रत्येक सोमवार एवं गुरुवार को सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर रानी कमलापति से प्रस्थान करेगी और दूसरे दिन सुबह सवा 10 बजे बनारस पहुंचेगी। इसी तरह गाड़ी संख्या 01662 द्वि-साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन 21 फरवरी तक प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को दोपहर पौने तीन बजे बनारस से रवाना होगी और अगले दिन सुबह साढ़े 11 बजे रानी कमलापति पहुंचेगी।

अन्य गाडिय़ों की बात करें तो गाड़ी संख्या 09801-09802 सोगरिया-बनारस-सोगरिया के मध्य स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। यह गाड़ी 17 जनवरी से 21 फरवरी के दौरान सप्ताह में दो दिन मंगलवार एवं शुक्रवार सोगरिया स्टेशन से तथा 18 जनवरी से 22 फरवरी के दौरान सप्ताह में दो दिन बुधवार एवं शनिवार को बनारस स्टेशन से चलेगी। रीवा-मानिकपुर के मध्य मेला स्पेशल ट्रेन चल रही है।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 08247 मानिकपुर-रीवा अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन, बांदा-कटनी के मध्य अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन, गाड़ी संख्या 01813 बांदा-कटनी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन, कटनी-मानिकपुर के मध्य मेला स्पेशल ट्रेन, गाड़ी संख्या 09015 कटनी-मानिकपुर अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन, गाड़ी संख्या 09016 मानिकपुर-कटनी अनारक्षित मेला स्पेशल ट्रेन, गाड़ी संख्या 01817 बीना-प्रयागराज छिवकी महाकुंभ मेला अनारक्षित विशेष ट्रेन, गाड़ी संख्या 01818 प्रयागराज छिवकी-बीना महाकुंभ मेला अनारक्षित विशेष ट्रेन, बीना-कटनी के मध्य मेला स्पेशल मेमू ट्रेन, गाड़ी संख्या 06603 बीना-कटनी मुडवारा महाकुंभ मेला मेमू अनारक्षित विशेष ट्रेन चलाई जा रही है।

रेल प्रशासन के अनुसार, गाड़ी संख्या 06604 कटनी मुडवारा-बीना महाकुंभ मेला अनारक्षित विशेष मेमू ट्रेन, गाड़ी संख्या 11273 इटारसी-प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस ट्रेन संचालित की जा रही है। इटारसी-प्रयागराज छिवकी के मध्य संचालित ट्रेन को चुनार स्टेशन तक बढ़ाया गया है।